Shri Mahaveer Bhagwan Aarti Lyrics Jai Sanmati Deva

Shri Mahaveer Bhagwan Aarti Lyrics in Hindi

जय सन्मति देवा,
प्रभु जय सन्मति देवा।
वर्द्धमान महावीर वीर अति,
जय संकट छेवा ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

सिद्धार्थ नृप नन्द दुलारे,
त्रिशला के जाये ।
कुण्डलपुर अवतार लिया,
प्रभु सुर नर हर्षाये ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

देव इन्द्र जन्माभिषेक कर,
उर प्रमोद भरिया ।
रुप आपका लख नहिं पाये,
सहस आंख धरिया ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

जल में भिन्न कमल ज्यों रहिये,
घर में बाल यती ।
राजपाट ऐश्वर्य छोड़ सब,
ममता मोह हती ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

बारह वर्ष छद्मावस्था में,
आतम ध्यान किया।
घाति-कर्म चूर-चूर,
प्रभु केवल ज्ञान लिया ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

पावापुर के बीच सरोवर,
आकर योग कसे ।
हने अघातिया कर्म शत्रु सब,
शिवपुर जाय बसे ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

भूमंडल के चांदनपुर में,
मंदिर मध्य लसे ।
शान्त जिनेश्वर मूर्ति आपकी,
दर्शन पाप नसे ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

करुणासागर करुणा कीजे,
आकर शरण गही।
दीन दयाला जगप्रतिपाला,
आनन्द भरण तु ही ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

जय सन्मति देवा,
प्रभु जय सन्मति देवा।
वर्द्धमान महावीर वीर अति,
जय संकट छेवा ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

जय सन्मति देवा,
प्रभु जय सन्मति देवा।
वर्द्धमान महावीर वीर अति,
जय संकट छेवा ॥
॥ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

Shri Mahaveer Bhagwan Aarti Lyrics in English and Hinglish

Jai Sanmati Deva,
Prabhu Jai Sanmati Deva.
Vardhman Mahaveer veer ati,
Jai sankat cheva.
Om Jai Sanmati Deva...

Siddharth nrip nand dulaare,
Trishala ke jaaye.
Kundalpur avataar liya,
Prabhu sur nar harsaye.
Om Jai Sanmati Deva…

Dev Indra janmabhishek kar,
Ur pramod bhariya.
Roop aapka lakh nahin paaye,
Sahas aankh dhariya.
Om Jai Sanmati Deva…

Jal mein bhinn kamal jyon rahiye,
Ghar mein baal yati.
Rajpaat aishwarya chhod sab,
Mamta moh hati.
Om Jai Sanmati Deva…

Barah varsh chhadmavastha mein,
Aatam dhyan kiya.
Ghaati-karam choor-choor,
Prabhu keval gyaan liya.
Om Jai Sanmati Deva…

Pavapur ke beech sarovar,
Aakar yog kase.
Hane aghatiya karam shatru sab,
Shivpur jaaye base.
Om Jai Sanmati Deva…

Bhoomandal ke Chaandanpur mein,
Mandir madhya lase.
Shaant Jineshwar murti aapki,
Darshan paap nase.
Om Jai Sanmati Deva…

Karunasagar karuna keeje,
Aakar sharan gahee.

Deen dayala jagpratipala,
Anand bharan tu hi.
Om Jai Sanmati Deva...

Jai Sanmati Deva,
Prabhu Jai Sanmati Deva.
Vardhman Mahaveer veer ati,
Jai sankat cheva.
Om Jai Sanmati Deva...

Jai Sanmati Deva,
Prabhu Jai Sanmati Deva.
Vardhman Mahaveer veer ati,
Jai sankat cheva.
Om Jai Sanmati Deva...

Shri Mahaveer Bhagwan Aarti Meaning in Hindi

जय सन्मति देवा,
प्रभु जय सन्मति देवा।
वर्द्धमान महावीर वीर अति,
जय संकट छेवा।
॥ ऊँ जय सन्मति देवा... ॥

अर्थ: हे सन्मति के देव, आपकी जय हो। वर्द्धमान महावीर, जो महान वीर हैं और सभी संकटों का नाश करने वाले हैं, उनकी जय हो।

सिद्धार्थ नृप नन्द दुलारे,
त्रिशला के जाये।
कुण्डलपुर अवतार लिया,
प्रभु सुर नर हर्षाये।
॥ ऊँ जय सन्मति देवा... ॥

अर्थ: राजा सिद्धार्थ के प्रिय पुत्र और त्रिशला के पुत्र, जिन्होंने कुंडलपुर में अवतार लिया और जिनके आने से देवता और मानव हर्षित हुए।

देव इन्द्र जन्माभिषेक कर,
उर प्रमोद भरिया।

रुप आपका लख नहिं पाये,
सहस आंख धरिया।
॥ ऊँ जय सन्मति देवा... ॥

अर्थ: देव इंद्र ने जन्माभिषेक किया और उनके ह्रदय में अपार आनंद भर गया। आपके रूप को सहस्र आंखें होने पर भी देख पाना संभव नहीं।

जल में भिन्न कमल ज्यों रहिये,
घर में बाल यती।
राजपाट ऐश्वर्य छोड़ सब,
ममता मोह हती।
॥ ऊँ जय सन्मति देवा... ॥

अर्थ: जैसे जल में कमल अलग रहता है, वैसे ही उन्होंने घर में रहते हुए भी यति का जीवन जिया। उन्होंने राजपाट और ऐश्वर्य सब त्याग दिया और ममता मोह से मुक्त हो गए।

बारह वर्ष छद्मावस्था में,
आतम ध्यान किया।
घाति-कर्म चूर-चूर,
प्रभु केवल ज्ञान लिया।
॥ ऊँ जय सन्मति देवा... ॥

अर्थ: बारह वर्षों तक छद्मावस्था में रहते हुए उन्होंने आत्म-ध्यान किया। उन्होंने अपने घातक कर्मों को नष्ट किया और केवल ज्ञान की प्राप्ति की।

पावापुर के बीच सरोवर,
आकर योग कसे।
हने अघातिया कर्म शत्रु सब,
शिवपुर जाय बसे।
॥ ऊँ जय सन्मति देवा... ॥

अर्थ: पावापुर के बीच सरोवर में उन्होंने योग साधना की, और अपने सभी अघातिया कर्मों को नष्ट करके शिवपुर में निवास किया।

भूमंडल के चांदनपुर में,
मंदिर मध्य लसे।
शांत जिनेश्वर मूर्ति आपकी,
दर्शन पाप नसे।

॥ ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

अर्थ: भूमंडल के चांदनपुर में मंदिर के मध्य आपकी शांत जिनेश्वर मूर्ति स्थित है, जिसके दर्शन से पापों का नाश होता है।

करुणासागर करुणा कीजे,
आकर शरण गही।
दीन दयाला जगप्रतिपाला,
आनंद भरन तू ही।
॥ ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

अर्थ: हे करुणासागर, हम आपकी शरण में आए हैं, कृपया करुणा कीजिए। हे दीनों के दयालु और जग के पालनहार, आप ही हमें आनंद से भर सकते हैं।

जय सन्मति देवा,
प्रभु जय सन्मति देवा।
वर्द्धमान महावीर वीर अति,
जय संकट छेवा।
॥ ऊँ जय सन्मति देवा… ॥

अर्थ: हे सन्मति के देव, आपकी जय हो। वर्द्धमान महावीर, जो महान वीर हैं और सभी संकटों का नाश करने वाले हैं, उनकी जय हो।

Shri Mahaveer Bhagwan Aarti in English

Jai Sanmati Deva,
Prabhu Jai Sanmati Deva.
Vardhman Mahaveer veer ati,
Jai sankat cheva.
Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: Victory to the Lord, the giver of wisdom. Glory to Vardhman Mahaveer, the great hero who removes all obstacles.

Siddharth nrip nand dulaare,
Trishala ke jaaye.
Kundalpur avataar liya,
Prabhu sur nar harsaye.

Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: The beloved son of King Siddharth and Trishala, incarnated in Kundalpur, bringing joy to gods and men alike.

Dev Indra janmabhishek kar,
Ur pramod bhariya.
Roop aapka lakh nahin paaye,
Sahas aankh dhariya.
Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: Lord Indra performed the birth consecration, and his heart filled with joy. Even with a thousand eyes, Your divine form remains beyond sight.

Jal mein bhinn kamal jyon rahiye,
Ghar mein baal yati.
Rajpaat aishwarya chhod sab,
Mamta moh hati.
Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: Just as the lotus remains untouched by water, He lived as a young ascetic at home. He renounced kingdom, wealth, and overcame attachment and affection.

Barah varsh chhadmavastha mein,
Aatam dhyan kiya.
Ghaati-karam choor-choor,
Prabhu keval gyaan liya.
Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: For twelve years, He practiced deep meditation, destroying harmful karma and attaining supreme knowledge.

Pavapur ke beech sarovar,
Aakar yog kase.
Hane aghatiya karam shatru sab,
Shivpur jaaye base.

Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: In the lake at Pavapur, He performed intense meditation, vanquished all karma-enemies, and attained liberation in Shivpur.

Bhoomandal ke Chaandanpur mein,
Mandir madhya lase.
Shaant Jineshwar murti aapki,
Darshan paap nase.
Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: In the land of Chandanpur, amidst the temple shines Your peaceful Jineshwar idol, whose mere sight destroys sins.

Karunasagar karuna keeje,
Aakar sharan gahee.
Deen dayala jagpratipala,
Anand bharan tu hi.
Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: O ocean of compassion, bless us, as we take refuge in You. Merciful Lord, protector of the world, You are the source of all joy.

Jai Sanmati Deva,
Prabhu Jai Sanmati Deva.
Vardhman Mahaveer veer ati,
Jai sankat cheva.
Om Jai Sanmati Deva...

Meaning: Victory to the Lord, the giver of wisdom. Glory to Vardhman Mahaveer, the great hero who removes all obstacles.